भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 24 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के कारण 26 से 28 जनवरी, 2026 के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है और 27 जनवरी, 2026 को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा/हिमपात हो सकता है।

(ii) 27 से 28 जनवरी, 2026 के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत और मध्य प्रदेश के निकटवर्ती मैदानी इलाकों में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर हल्की/मध्यम वर्षा, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तथा 60 किमी प्रति घंटे तक की गति वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई वास्तविक मौसम (आज 24 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी हुई, साथ ही जम्मू-कश्मीर में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी वर्षा दर्ज की गई।
- हरियाणा, चंडीगढ़ एवं दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई तथा पंजाब, पश्चिम उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हुई।
- जम्मू, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर 60-90 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज/झोंकेदार हवाओं के साथ गरज-चमक वाली आंधी चली तथा उत्तराखंड, पंजाब, पूर्व उत्तर प्रदेश, दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, अरुणाचल प्रदेश में 30-60 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ओडिशा में कुछ स्थानों में बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) तथा मेघालय में कुछ स्थानों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) रहा।
- दृश्यता रिपोर्ट (मीटर में ≤200 मी.): ओडिशा: धेंकनाल 20 मी.; मेघालय: बारापानी 100 मी.।

पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 1-4°C रहा; हरियाणा एवं उत्तर पश्चिम राजस्थान में कुछ स्थानों पर; दिल्ली में कई स्थानों पर 5-9°C; दक्षिण राजस्थान में कुछ स्थानों

पर; छत्तीसगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश, गुजरात राज्य, ओडिशा, मेघालय में कुछ स्थानों पर। शेष देश में 10°C से अधिक रहा, सिवाय पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र की ऊंची चोटियों के जहां 0°C से कम रहा।

- न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-5°C अधिक रहा मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर; बिहार, उत्तर प्रदेश, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में कुछ स्थानों पर; मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश एवं यानम, तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर। सामान्य से 2-4°C कम रहा जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ एवं दिल्ली, पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र एवं कच्छ, आंतरिक कर्नाटक में। शेष भागों में सामान्य के निकट रहा। (संलग्नक IV देखें)
- न्यूनतम तापमान में वृद्धि 2-5°C पूर्व उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश में; गिरावट 2-5°C जम्मू-कश्मीर, पश्चिम राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश में; 5-9°C पंजाब, हरियाणा, सौराष्ट्र एवं कच्छ में दर्ज की गई।
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 0.8°C भटिंडा (पंजाब) पर दर्ज किया गया।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (संलग्नक I एवं II देखें):

- पश्चिमी विक्षोभ निचले एवं मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर जम्मू एवं सटे पाकिस्तान क्षेत्र में चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तर पंजाब में एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में तमिलनाडु-श्रीलंका तट से सटे क्षेत्र में पूर्वी हवाओं की एक ट्रफ है।
- उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम पूर्वोत्तर भारत के ऊपर 12.6 किमी ऊंचाई पर 130 नॉट की रफ्तार से बह रही है।
- एक नया पश्चिमी विक्षोभ 26 जनवरी, 2026 से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

 27 और 28 जनवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक बारिश/बर्फबारी, बिजली गिरने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाएं (जो कभी-कभी 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) की संभावना है। 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश/बर्फबारी की भी संभावना है। इसी दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और मध्य प्रदेश में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम बारिश, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाएं (जो कभी-कभी 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) की संभावना है।

 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में तथा 27 और 28 जनवरी को उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है।

 तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 24 और 25 तारीख को तथा केरल और माहे में 26 तारीख को बिजली गिरने के साथ गरज-चमक की संभावना है, साथ ही तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 24 और 25 जनवरी को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की भी संभावना है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- उत्तर पश्चिम भारत में अगले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं, उसके बाद 2-3 दिनों में 4-6°C की वृद्धि तथा उसके बाद अगले 2 दिनों में 3-5°C की गिरावट संभावित है।
- मध्य भारत में अगले 2 दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं, उसके बाद 2-3 दिनों में 3-5°C की वृद्धि तथा उसके बाद अगले 2 दिनों में 3-5°C की गिरावट संभावित है।
- महाराष्ट्र में अगले 3 दिनों में 2-4°C की वृद्धि तथा उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं।
- गुजरात में अगले 3 दिनों में 2-4°C की वृद्धि तथा उसके बाद अगले 4 दिनों में 3-5°C की गिरावट संभावित है।
- देश के शेष भागों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं।

घना कोहरा, शीत लहर एवं शीत दिवस चेतावनियां:

- पंजाब, हरियाणा एवं चंडीगढ़ में 25-26 जनवरी को सुबह/रात के समय कुछ/कुछ स्थानों में घना से बहुत घना कोहरा संभावित है।
- हिमाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम में 25-26 जनवरी तथा मध्य प्रदेश में 25 जनवरी को सुबह/रात के समय कुछ स्थानों में घना कोहरा संभावित है।
- हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान में 25 एवं 26 जनवरी को कुछ स्थानों में शीत लहर की स्थिति संभावित है।
- उत्तर राजस्थान में 24 जनवरी को कुछ स्थानों में शीत दिवस की स्थिति संभावित है।

मछुआरा चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में 24 जनवरी से 29 जनवरी, 2026 तक न जाएं:

- बंगाल की खाड़ी: दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ भागों में, उत्तर तमिलनाडु एवं श्रीलंका तट के साथ-साथ 24 से 26 जनवरी तक; मन्नार की खाड़ी में 25 से 26 जनवरी तक; कोमोरिन क्षेत्र में 25 से 29 जनवरी तक।
- अरब सागर: उत्तर अरब सागर में, उत्तर गुजरात एवं ओमान तट के साथ-साथ 24 से 25 जनवरी तक; दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ भागों में, सोमालिया तट के साथ-साथ 24 से 25 जनवरी तक।

दिल्ली/एनसीआर में 24-27 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

 जम्मू-कश्मीर: बटोटे (जिला रामबन) 12; बदरवाह (जिला डोडा), उधमपुर (आईएएफ) (जिला उधमपुर) 7 प्रत्येक;

 हिमाचल प्रदेश: कोठी (जिला कुल्लू) 10; धर्मपुर (जिला सोलन) 9; गोंडला (जिला लाहौल और स्पीति) 8; सोलन (जिला सोलन), कंडाघाट (जिला सोलन), केलोंग (जिला लाहौल और स्पीति), खदराला (जिला शिमला), कुफरी एडब्ल्यूएस (जिला शिमला) 7 प्रत्येक;

 उत्तराखंड: कपकोट (जिला बागेश्वर) 9;

 पश्चिमी उत्तर प्रदेश: संभल (जिला संभल) 9, सरधना (जिला मेरठ) 4;

 पंजाब: गुरदासपुर अम्फू (जिला गुरदासपुर) 8.

24

जनवरी, 2026 को सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों में दर्ज की गई हिमपात की गहराई (सेमी में):

 जम्मू-कश्मीर: गुलमर्ग 50.8, कुकेरनाग 47, पहलगाम 46, बटोटे 43, भद्रवाह 31, बनिहाल 22, काजीगुंड 10।

 हिमाचल प्रदेश: कोठी 105.0, गोंदला 85.0, केलोंग 75.0, खदराला 68.6, कुफरी 66.0।

पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार 0830 बजे तक) तेज़ हवा का एहसास (किमी प्रति घंटे में)

 हिमाचल प्रदेश: नारकंडा-81, कुफरी-80, मसोबरा-74, शिमला-70, सेओबाग-48, रिकांगपिओ-46, ताबो-39
 हरियाणा: चंडीगढ़ (68), हथिनी कुंड बरराज (वाईएनजी) 59, पानीपत (48), गुड़गांव 39;
 जम्मू-कश्मीर: जम्मू=65, रियासी=54, सांबा=48, बारामूला=43
 पश्चिमी उत्तर प्रदेश: सरसावा-61, मुज़फ्फरनगर एडब्ल्यूएस-44, हिंडन आईएएफ-37;
 पूर्वी उत्तर प्रदेश: कानपुर Iaf41, फर्रुखाबाद Aws-41,;
 पंजाब: होशियारपुर 50, पठानकोट 44;
 उत्तराखंड: कोस्याकटौली/मटेल्ला-37 किमी प्रति घंटा, पंतनगर-41 किमी प्रति घंटा, चंपावत-48;

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	24- Jan	25- Jan	26- Jan	27- Jan	28- Jan	29- Jan	30- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	FWS	SCT	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	WS	FWS	ISOL	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	DRY	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	WS	SCT	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	FWS	WS	SCT	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक II

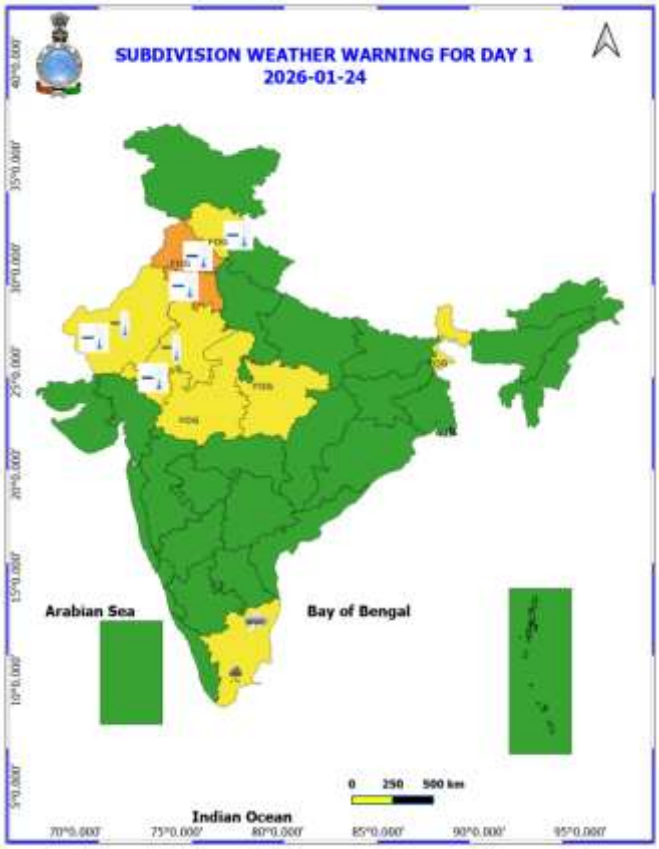
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

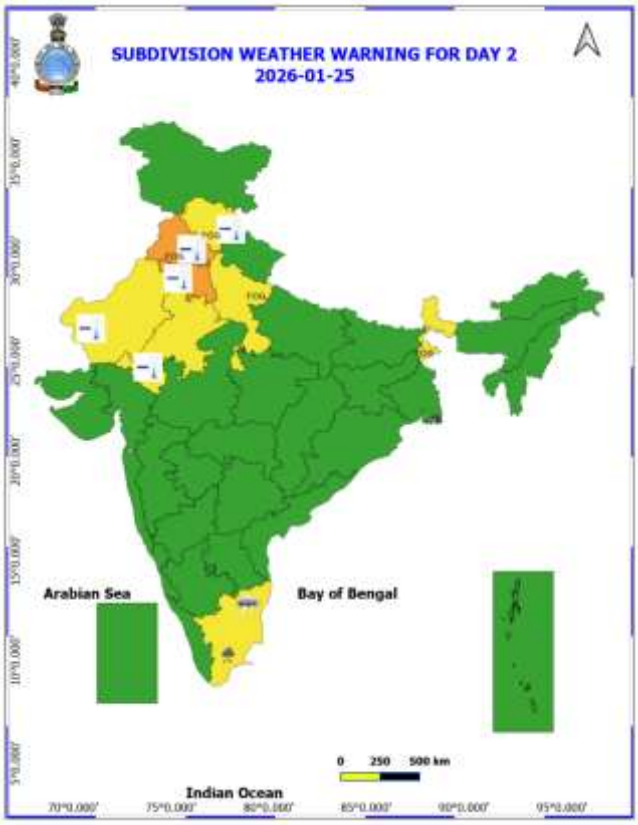
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

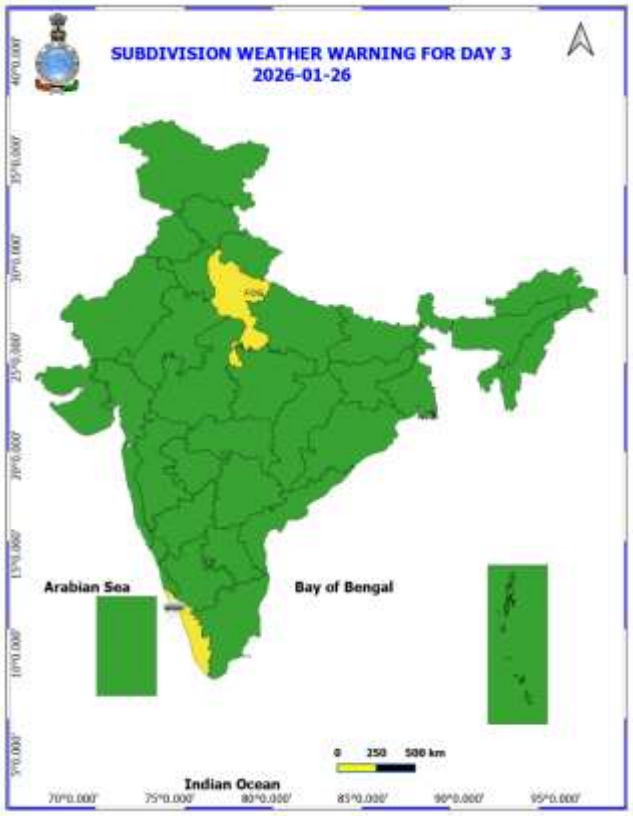
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

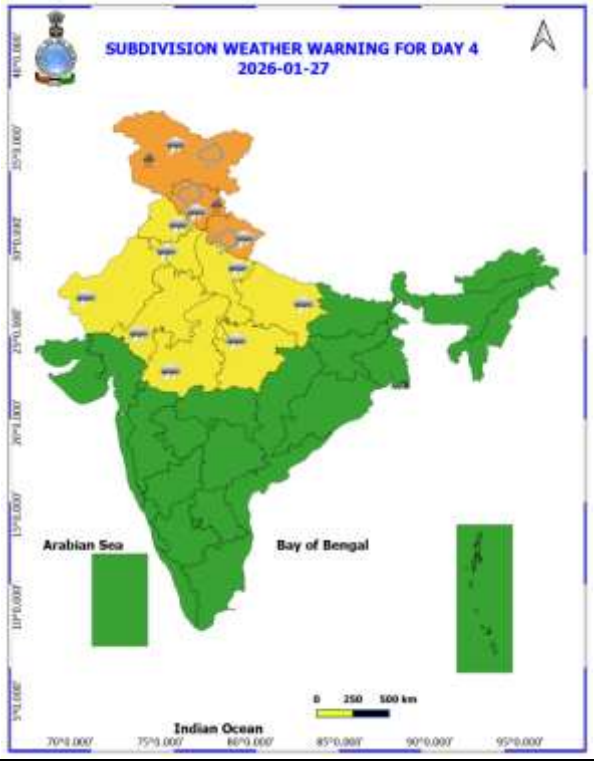
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 4
2026-01-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

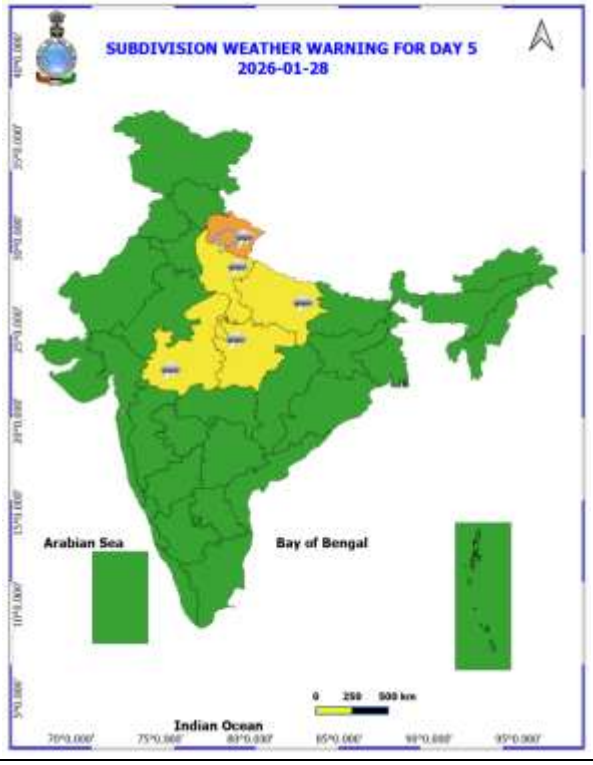
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 5
2026-01-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

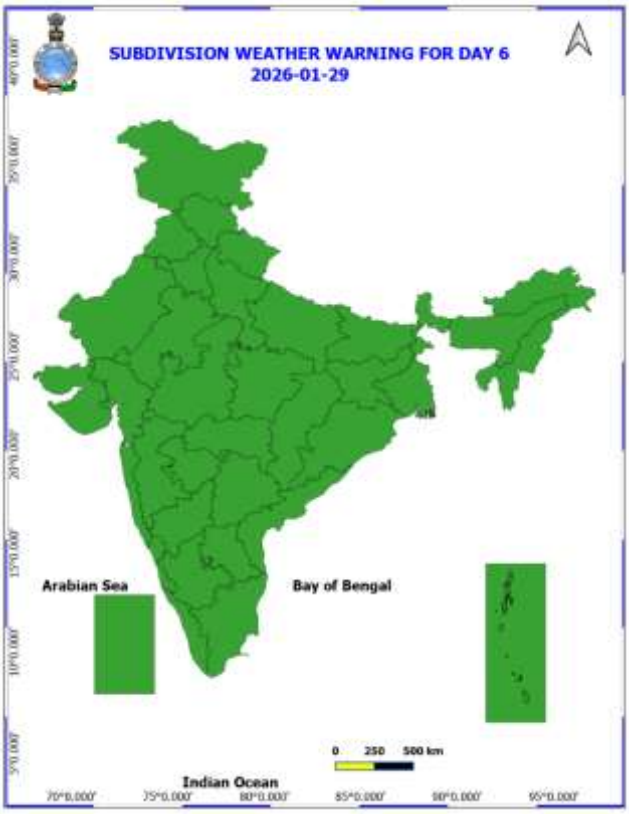

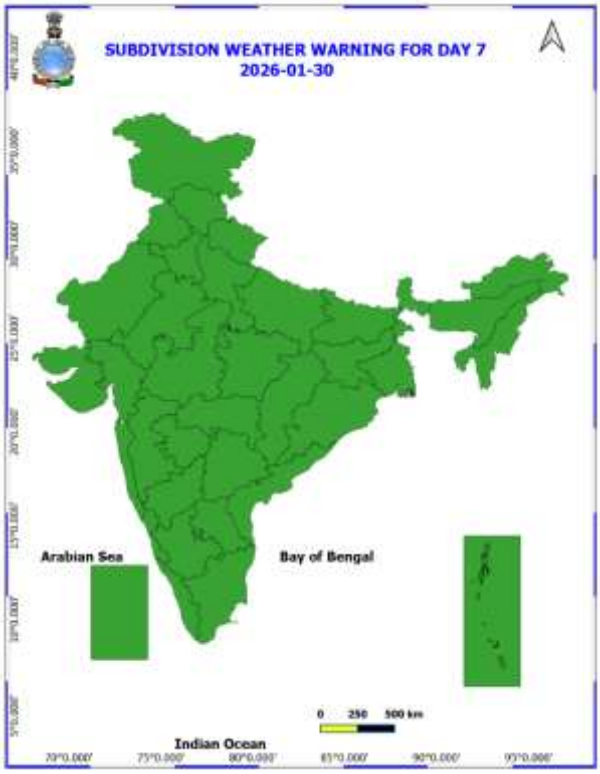

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

24 से 27 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/एनसीआर का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 6-8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 8-11 डिग्री सेल्सियस की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15-16 डिग्री सेल्सियस और 6-8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से -3.0 डिग्री सेल्सियस) था, जबकि दिल्ली के शेष हिस्सों में यह सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) था। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1 से -5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। सफदरजंग में भारतीय समयानुसार 01:30 बजे न्यूनतम दृश्यता 400 मीटर दर्ज की गई, जो आज, 24.01.2026 को 02:00 बजे बढ़कर 500 मीटर हो गई। पालम में भी भारतीय समयानुसार 02:00 बजे न्यूनतम दृश्यता 400 मीटर दर्ज की गई, जो आज, 24.01.2026 को 02:30 बजे बढ़कर 700 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकांश स्थानों पर बादल छाए रहे, हल्की से मध्यम बारिश हुई, साथ ही गरज/बिजली और तेज हवाएं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा) चलीं। सतह पर हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चल रही थी, जिसकी गति 18 किमी प्रति घंटा से लेकर 37 किमी प्रति घंटा तक थी। आज सुबह के समय क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा तक रही।

मौसम पूर्वानुमान:

24.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतही हवाओं की निरंतर गति 20-30 किमी प्रति घंटा रहेगी। अधिकतम तापमान 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

25.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 4°C से 6°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा से कम रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 8 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

26.01.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की से मध्यम धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 4°C से 6°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से 3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 10 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर उत्तर-पूर्व दिशा से 8 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

27.01.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक हल्की बारिश की एक या दो बौछारें पड़ेंगी, साथ ही गरज/बिजली कड़कने और तेज हवाएं (हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा) चलेंगी। शाम से रात तक हल्की से मध्यम बारिश की एक और बौछार पड़ेगी। सुबह के समय हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20°C से 22°C और 8°C से 10°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

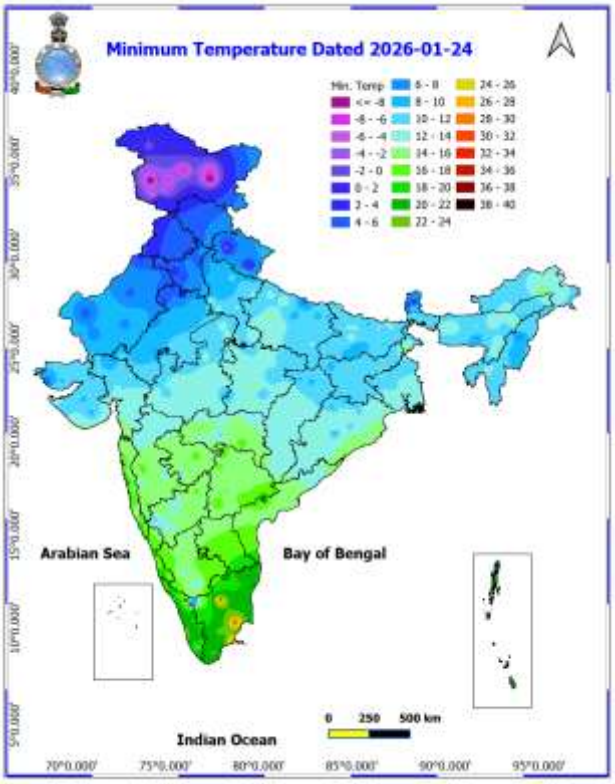

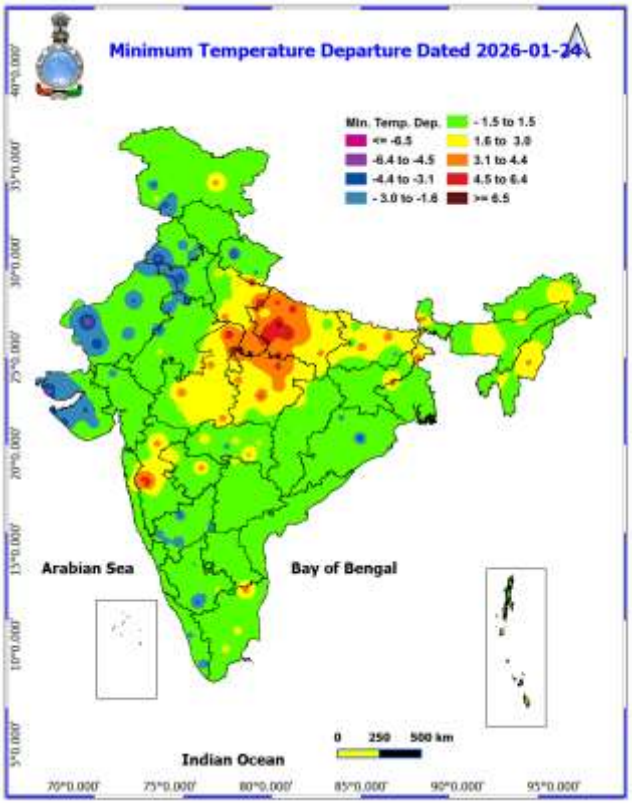

अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ गरज-चमक वाले तूफान के कारण संभावित असर और सुझाए गए कदम

 27 **जनवरी को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में तथा** 27 **और** 28 **जनवरी को उत्तराखंड में ओलावृष्टि की संभावना है।**

 24 **और** 25 **जनवरी को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में तथा** 26 **जनवरी को केरल और माहे में तथा** 27 **जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में** 40-50 **किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिजली कड़कने और** 60 **किमी प्रति घंटे तक के झोंके आने की संभावना है।**

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की डालियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी डालियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ डालियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओले बागवानी, खेती और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- ❖ ओलों से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को हल्का नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए कदम:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें और हालात बिगड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित जगहों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से सटकर न खड़े हों।
- ❖ बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें।
- ❖ तुरंत पानी वाली जगहों से बाहर निकल जाएं।

❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

 25-26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ/अलग-थलग इलाकों में सुबह/रात के दौरान घना से बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है।

 25-26 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ अलग-थलग इलाकों में भी सुबह/रात के दौरान घना कोहरा छाने की संभावना है; 25 जनवरी को मध्य प्रदेश में भी यही स्थिति रहेगी।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

• वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
• वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
• अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

• रखरखाव टीम को तैयार रखना।
• मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

भारी वर्षा **के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- **जम्मू-कश्मीर** में, गेहूं, सरसों, चना, मटर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था बनाएं रखें। फलदार पेड़ों को धीरे से हिलाकर उनकी शाखाओं से बर्फ तुरंत हटा दें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, खड़ी फसलों, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। फलदार पेड़ों को धीरे से हिलाकर उनकी शाखाओं से बर्फ तुरंत हटा दें।
- **तमिलनाडु में,** खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से बारिश के अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए उचित व्यवस्था करें। सब्जियों के खेतों में पंडालों को मजबूती प्रदान करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में फलों के बागानों और सब्जियों के पौधों को ओलावृष्टि से बचाव हेतु हेलनेट की व्यवस्था करें।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा** और **राजस्थान** में खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को पॉलीथीन शीट से ढक दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- भारी बारिश/ ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिछावन उपलब्ध कराएं। पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

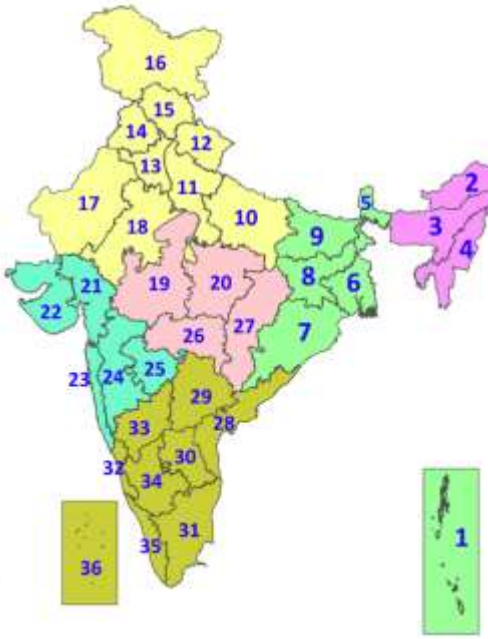

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)